hursday 17 Friday 18 Saturday 19

जब रूह किसी बोझ से थक जाती है
एहसास की लौ और भड़क जाती है
मैं बढ़ता हूँ ज़िन्दगी की जानिब लेकिन
एक जंज़ीर-सी पाँव में खनक जाती है।

-

दिन चढ़े धूप में सोने वाला
हो न हो रात भर जागता है।

-

वो मेरा दोस्त है सारे जहाँ को है मालूम
ख़ुदा करे वो किसी से तो शर्मसार करे मुझे।

-

उम्र भर उठाएगा दुख मेरे बिखरने का
आँख की बुलंदी से क्यों मुझे गिराता है।

-

चला जाता हूँ हँसता खेलता मौजे हवादिस से
अगर आसानियाँ हो ज़िंदगी दुश्वार हो जाए।

-

अश्कों से ख़बरदार कि आँखों से न निकलें
गिर जाएँ ये मोती तो उठाए नहीं जाते।

-

ork to be done

Sunday 20

यूँ तेरी याद से जी घबराया
तू मुझे भूल गया हो जैसे।

-

MBER 1998 JANUARY 1999

T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
3	4	5	6	7	31	•	•	•	•	1	2
10	11	12	13	14	3	4	5	6	7	8	9
17	18	19	20	21	10	11	12	13	14	15	16
24	25	26	27	28	17	18	19	20	21	22	23
•	•	•	•	•	24	25	26	27	28	29	30